संसाधनों के अभाव में भी किया बोरी बंधान

अलीराजपुर आदिवासी बाहुल्य जिला है। जिले का विकासखण्ड सोण्डवा महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों की सीमा पर ग्राम फड़तला पहाड़ी और जंगल क्षेत्र में बसा हुआ है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम फड़तला से चयनित बीएसडब्ल्यू छात्रा कु. कालसी सोलंकी एवं छात्र भुना डावर ने मेंटर्स श्री राघवेन्द्रशरण शर्मा को बताया कि ग्राम में पानी की समस्या है। पानी पहाड़ से नीचे आता है पर बहकर निकल जाता है। रेत भी बहुत है, पशु प्यासे रह जाते हैं। इसलिये पशुओ के लिये पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। पास के ग्राम वालपुर में पशुओ को पानी पिलाने ले जाना पड़ता है। इसके पश्चात श्री राघवेन्द्रशरण शर्मा और जिला समन्वयक ने गॉव का अवलोकन किया। ग्राम में चौपाल में ग्रामीणों ने सबसे पहले गॉव की पानी की समस्या से अवगत कराया। बैठक में बताया कि यह समस्या आप लोग ही बोरी बंधान निर्माण करके हल कर सकते हैं। लोगों ने संसाधनो के अभाव की बात बताई। बैठक में लोगों को समझाया गया कि सारे संसाधन स्वयं गॉव वाले जुटायेंगे और बोरी बंधान निर्माण करने लिये तैयार हो गये। तत्पश्चात दूसरे दिन दोनो मेंटर्स गॉव पहुॅचे। वहॉ पहुॅचकर उनको अत्यन्त प्रसन्नता हुई क्योंकि जिन संसाधनो की बात हुई थी वे सारे संसाधन वहॉ पर उपलब्ध थे। 145 सीमेंट की पुरानी बोरियॉ, 05 सुॅए, नाईलोन की रस्सी के 02 छोटे बण्डल, 05 फावड़े, 05 गेती और 10 तगारिया आदि के साथ करीब 30 उपस्थित थे जिसमें 05 महिलाएॅ भी थी। श्रमदान से निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। कुछ लोगो ने रेत निकाल कर बोरिया भरी तथा उन बोरियों को महिलाओ ने सिलने का कार्य किया। फिर बोरियों एवं छोटे पत्थर मिटी एवं रेत उंचाई तक जमवाई। उसके बाद एक के उपर एक छः तख्त बनाये और बोरी बंधान पूर्ण हुआ। इस निर्माण से ग्रामवासियों को पशुओं के लिये पानी पिलाने 03 किमी दूर जाने के बजाय 100 मीटर पर पानी उपलब्ध हो गया। इस बोरी बंधान में पानी देखकर गॉव में उत्सव जैसा माहौल हो गया क्योंकि वर्षो से पशुओं को पानी पिलाने की समस्या से जुझ रहे ग्रामवासियों को अपने गॉव में ही पानी उपलब्ध हो गया।